TEE जून 2026 और TEE दिसंबर 2026 के लिए असाइनमेंट

(BAFYUP दर्शनशास्त्र)

BPYC-101

दर्शन का परिचयः परिप्रेक्ष्य, मुद्दे और प्रारंभिक इतिहास

नोट:

1) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

2) सभी पाँच प्रश्नों के अंक समान हैं।

3) प्रश्न संख्या 1 और 2 का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए।

4) यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो कृपया सभी भागों को हल करें।

1) कठोपनिषद में आत्मा के स्वरूप और आत्मा की प्राप्ति के साधनों पर एक निबंध लिखें। 20

या

'नासदीय सूक्त' का मुख्य विषय क्या है? 'नासदीय सूक्त' ब्रह्मांड के प्रश्न को कैसे समझाता है? 20

2) माण्डूक्य उपनिषद में दी गई चेतना की चार अवस्थाओं की व्याख्या करें। 20

या

क) प्रारंभिक आयोनियन दार्शनिकों के अनुसार ब्रह्मांड का मूल पदार्थ क्या है?

ख) मध्यकालीन पश्चिमी दर्शन के केंद्रीय दार्शनिक मुद्दों पर चर्चा करें। 10+10=20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200** शब्दों में दें। 2*10= 20

क) एलिया के ज़ेनो के दार्शनिक योगदानों पर चर्चा करें। 10

ख) रामायण के दार्शनिक आधार क्या हैं? 10

ग) सुकरात के कथन 'सद्गुण ही ज्ञान है' से आप क्या समझते हैं? 10

घ) दर्शनशास्त्र की मुख्य शाखाएँ कौन सी हैं, और प्रत्येक का उद्देश्य क्या समझना है? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में दें। 4*5= 20

क) विभिन्न वैदिक विद्यालयों द्वारा प्रतिपादित मोक्ष की विभिन्न अवधारणाओं पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

ख) पाइथागोरस के नैतिक सिद्धांत पर चर्चा करें। 5

ग) बौद्ध धर्म के तत्त्वमीमांसीय विचार क्या हैं? 5

घ) स्टोइक नीतिशास्त्र पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

ङ) अरस्तू के ईश्वर दर्शन पर चर्चा करें। 5

च) सोफिस्ट दर्शन की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5*4=20

ए) परमेनाइड्स की बीइंग की अवधारणा 4

ख) तज्जलानिति 4

ग) थेल्स 4

घ) शून्यवाद 4

ई) सिनिकवाद 4

च) लोकायत 4

छ) बुद्धिवाद 4

ज) विदेह-मुक्ति 4